हर गांव में हो पुस्तकालय–लघु पुस्तकालय योजना

जुही

किताबें हमारी सबसे अच्छी दोस्त हैं। कैसे? हम इन्हें पढ़कर जानकारी बढ़ा सकते हैं। अच्छी-बुरी चीज़ो के बारे में जान सकते हैं। अकेले या फिर संगी साथियों के साथ इन्हें बांट अपना वक्त गुजार कर सते हैं। हर उम्र के लोगों, बच्चों, बड़ों, मर्द-औरतों सभी के लिए किताबें पढ़ना एक अच्छी व ज्ञानवर्धक हॉबी है।

दिल्ली में छोटे-छोटे शहरों, गांवो, स्कूलों आदि में अच्छी और सस्ती किताबें उपलब्ध कराने की एक सरल योजना शुरु की गई है। इस योजना को शुरु करने का श्रेय श्री भारत डोगरा को जाता है। योजना के तहत एक हज़ार रुपये की राशि भेजने पर आप सौ पुस्तकों का एक सेट मंगा सकते हैं। पुस्तकें स्वास्थ्य, पर्यावरण, पशु-पक्षी, इतिहास, प्रकृति, समाज सुधर आदि विषयों पर है। इनमें उपन्यास, कहानियां, एकांकी नाटक, कविताएं भी शामिल हैं। पुस्तकें हिन्दी भाषा में हैं।

किताबें कैसे मंगवाए

1. सेट का मूल (एक हज़ार) रुपये मनीआर्डर, चैक या फिर ड्राफ्ट द्धार "सोशल चेंज पेपर्स" के नाम से भेजें। साथ में दिल्ली के बाहर रहने वाले सौ रुपये का डाक खर्च भी भेजें। कुछ दिनों में रजिस्टर्ड पार्सल द्वारा किताबें आपको भेज दी जाएंगी।
2. दिल्ली में रहने वाले खुद भी यह सेट ले जा सकते हैं। हां मूल्य राशि अग्रिम भेजनी होगी।
3. सेट मंगवाते समय अपना पूरा पता साफ-साफ शब्दों में लिखें।
4. दिल्ली के किसी भी पते पर पुस्तकें मंगवाई जा सकती हैं।
5. पुस्तकें मंगवाने पता है:

सोशल चेंज पेपर्स
द्वारा भारत डोगरा, लेखक व प्रकाशक
सी-27, रक्षा कुंज, पश्चिम विहार
नई दिल्ली-110063
फोन : 5575303

इसके अलावा इस पते पर यह अन्य सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

1. 45 चुने हुए विषयों पर हिन्दी व अंग्रेजी की प्रैस कतरनें।
2. धरती मां-एन.एफ.एस. इण्डिया श्रैमासिक पत्रिका।
3. हिन्दी व अंग्रेजी में विकास, पर्यावरण व समाज कल्याण के विश्वकोष।
4. भारत डोगरा लिखित अन्य पुस्तकें।
5. छोटे समाचार पत्रों, न्यूज़लेटर के लिए लेखों व रिपोर्टो।
6. अन्य जानकारी।